राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • सोमवार • 3 जनवरी • 2022

विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने वताया कि नवनियुक्त कार्मियों को 10 दिन के विशेष उन्मुखीकरण प्रशिक्षण के तहत विवि के प्रत्येक कार्यालय व विभागों में भेजा जायेगा, जिससे वे वहां की कार्यप्रणाली को समझ सकें। इस दौरान उन्हें कम्प्यूटर कार्य में दक्ष किया जायेगा। तत्पश्चात उन्हें विभागों का आवंटन किया जायेगा। विवि के संपत्ति एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वाईपी मलिक के मुताविक 2 मृतक आश्रितों को कनिष्ठ सहायक पद पर अनुकंपा नियुक्ति मिलने से उनके परिवारों को संवल मिलेगा तथा वे अपने परिवारों का पालनम्पोषण कर सकेंगे। नियमित किये गये 23 दैनिक श्रमिकों ने भी हर्ष जताया है।

अमर उजाला कानपुर 03/01/2022

टमाटर की फसल में हर 10 दिन बाद करें सिंचाई

कानपुर। सीएसए के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार सिंह ने जनवरी महीने में बोई और रोपे जाने वाली फसलों को लेकर एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि टमाटर जनवरी में रोपाई होती है। किसान हर 10 दिन बाद हल्की सिंचाई करते रहें। टमाटर के खेत में खरपतवार बिल्कुल नहीं होने दें। पुरानी फसल में यदि फल छेदक का संक्रमण हो जाए तो खराब फलों को तुरंत तोड़कर नष्ट कर दें। अधिक संक्रमण की स्थिति में 0.1 प्रतिशत मैलाथियान या 0.1 प्रतिशत थॉयोडान 15 दिन के अंतराल पर छिड़कें। मिर्च की रोपाई में सर्दियों में 10 से 17 दिन बाद हल्की सिंचाई करते रहें। इससे फूल-फल नहीं गिरते हैं, फसल पाले से भी बच जाती है। उन्होंने बताया कि मूली और गाजर जनवरी से फरवरी तक किसान लगा सकते हैं। मूली-गाजर को तैयार होने पर उखाड़ने से दो से तीन दिन पहले हल्की सिंचाई करें। (संवाद)

दैनिक जागरण कानपुर 03/01/2022

कृषि क्षेत्र में जापान का मिलेगा सहयोग, करार जल्द

जासं, कानपुर : कृषि विश्वविद्यालयों में शोध व विकास को बढ़ावा देने में जल्द ही जापान के कृषि, वन एवं मत्स्य मंत्रालय का सहयोग मिलेगा। मेमोरैंडम आफ कोआपरेशन (सहयोग के ज्ञापन) पर प्रदेश सरकार और मंत्रालय के बीच हस्ताक्षर हो चुके हैं, जल्द ही सीएसए विवि और जापान की कंपनी के बीच करार (एमओयू) होने की उम्मीद है। इसके लिए सरकार ने नोडल अफसर नियुक्त किए हैं।

जापान में खेती की तकनीकी काफी उन्नत है। यहां ड्रोन और रोबोट के इस्तेमाल की शुरुआत हो रही है, जापान में पहले से ही दोनों तकनीक की मदद से कृषि कार्य किए जा रहे हैं। यही नहीं बिना मिट्टी के सब्जियां उगाई जा रही हैं और उनकी गुणवत्ता भी बढ़ाई जा रही है। यही नहीं, मिट्टी की उर्वर शक्ति बढ़ाने में भी जापान

के कृषि विवि लगातार शोध कर रहे हैं। जापान की इन तकनीकी का प्रदेश के कृषि कार्यों में सहयोग लेने के लिए सरकार की ओर से टोक्यो स्थित कृषि, वन एवं मत्स्य मंत्रालय के बीच सहयोग के लिए ज्ञापन पर दोनों पक्षों ने हस्ताक्षर किए हैं।

जापान के मंत्रालय के अधीन साउथ एशिया ग्रुप के प्रमुख हिरोकी कीनोशिता और उत्तर प्रदेश शासन की ओर से विशेष सचिव, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के बीच यह हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। अब जल्द ही सीएसए विवि और मंत्रालय के अधीन विभिन्न कंपनियों के बीच करार (एमओयू) पर हस्ताक्षर होंगे।

- सीएसए विवि की ओर से तैयार किए गए बिंदुओं पर सरकार ने बनाया नोडल अफसर
- सहयोग के ज्ञापन पर दोनों पक्षों में हुए हस्ताक्षर, जल्द ही एमओयू पर भी होंगे हस्ताक्षर

विवि के कुलपति डा. डीआर सिंह ने बताया कि जापानी विशेषज्ञों और वहां की कंपनियों की तकनीकी के इस्तेमाल से देश में कृषि उत्पादन और तकनीकी को बढ़ाने में मदद मिलेगी। अभी करार को लेकर कुछ बिंदुओं पर वार्ता होनी बाकी है।

प्रौद्योगिकी की सफलता पर किसानों को दी जाएगी जानकारी

एमओयू के तहत सीएसए और जापानी कंपनी कृषि क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सहमत हो गई है। वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों का आदान-प्रदान होगा। विभिन्न शोधकार्यों में सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं का विकास और कार्यान्वयन किया जाएगा। साथ ही सीएसए विवि में जापानी कृषि प्रौद्योगिकी के लिए क्षेत्र, कार्यप्रणाली, वित्तीय व्यवस्था के लिए पारस्परिक रूप से सहमति बनेगी। समझौता ज्ञापन को द्विवार्षिक कार्य योजनाओं के विकास से लागू किया जाएगा। कार्य योजनाएं किसी भी पक्ष से शुरू हो सकती हैं, लेकिन पूर्ण अनुमोदन की आवश्यकता के लिए दोनों पक्षों की स्वीकृति होगी। शोधकार्यों के सफल परिणामों की जानकारी किसानों को भी दी जाएगी।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
जन एक्सप्रेस
2022 2022
www.janexpressive.com/epaper
@janexpressnews janexpressive janexpressive
लखनऊ | सोमवार | 03 जनवरी, 2022

'टमाटर की खेती कैसे करें' की दी जानकारी

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार सिंह ने किसानों को बताया कि टमाटर की नर्सरी नवंबर माह में लगाई जाती है जबकि जनवरी माह में इसकी रोपाई होती है उन्होंने कहा इस समय किसान प्रत्येक 10 दिन बाद हल्की सिंचाई करे तथा टमाटर के खेत में खरपतवार बिल्कुल न होने दे इन्हें समय-समय पर निकालते रहें। पुरानी फसल में फल छेदक का संक्रमण हो जाने पर खराब फलों को तुरंत तोड़कर नष्ट कर दें तथा अधिक संक्रमण की स्थिति में 0.1 फीसदी मैलाथियान या 0.1 फीसदी थायोडान 15 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें। डॉ. सिंह ने बताया कि किसान जनवरी माह में प्याज की रोपाई भी करते हैं जिसके लिए उचित मात्रा में उर्वरक का प्रयोग करना चाहिए तथा रोपाई सायंकाल के समय करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि किसान जनवरी से फरवरी तक मूली और गाजर भी लगा सकते हैं जिसकी फसल 40 से 70 दिन में तैयार हो जाती है इसके साथ ही किसान राजमा की भी बुवाई कर सकते हैं जिसके लिए 120 से लेकर के 140 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि राजमा की उन्नत प्रजातियां अंबर, पीडीआर 14, मालवीय 15, मालवीय 137 है।

न्यूज डायरी

अमर उजाला 03/01/2022

जापानियों से उन्नत खेती सीखेंगे वैज्ञानिक

कानपुर। सीएसए में शोध को बढ़ावा देने में जल्द ही जापान के वैज्ञानिक सहयोग करेंगे। जापान की एक कंपनी और सीएसए के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर होने वाले हैं। जापान में खेती की तकनीकी काफी उन्नत है। इन तकनीकी का प्रदेश के कृषि कार्यों में सहयोग लेने के लिए सरकार की ओर से टोक्यो स्थित कृषि, वन एवं मत्स्य मंत्रालय से सहयोग लिया जा रहा है। जापान के साउथ एशिया ग्रुप के प्रमुख हिरोकी कीनोशिता और उत्तर प्रदेश शासन की ओर से विशेष सचिव, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के बीच एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने बताया कि जापानी विशेषज्ञों और वहां की कंपनियों की तकनीकी के इस्तेमाल से देश में कृषि उत्पादन और तकनीकी को बढ़ाने में मदद मिलेगी। (संवाद)

दैनिक जागरण कानपुर 03/01/2022

टमाटर, मिर्च, प्याज, गाजर या राजमा की करें खेती

कानपुर : सीएसए डा. अनिल कुमार सिंह ने किसानों को सर्दी में पैदा होने वाली प्रमुख फसलों की गुणवत्ता और उससे अधिक आय करने के तरीके बताए हैं। बताया कि टमाटर की नर्सरी नवंबर में लगाई जाती है और जनवरी में रोपाई होती है। जासं

हिंदुस्तान कानपुर 03/01/2022

सीएसए, जापानी कंपनी के बीच एमओयू शीघ्र

कानपुर। सीएसए शीघ्र ही जापान की एक कंपनी के साथ आपसी समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। कृषि तकनीक के क्षेत्र में यह सहयोग अपेक्षित है। सरकार की ओर से टोक्यो स्थित कृषि, वन एवं मत्स्य मंत्रालय सामने आया है। जापान के साउथ एशिया ग्रुप के प्रमुख हिरोकी कीनोशिता और उत्तर प्रदेश शासन की ओर से विशेष सचिव, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के बीच यह हस्ताक्षर किए जा चुके हैं।